कश्मीर Kashmir Lyrics in Hindi Shreya Ghoshal – Animal

उर्दू के जैसा ये इश्क मेरा
ना समझ तू समझेगा कैसे
लिखती मैं रहती हूँ दिन रात तुझको
पागल तू समझेगा कैसे

इतना है शोर यहाँ
इस शहर में
इश्क मेरा सम्भालेगा कैसे

कश्मीर जैसी जगह ले चलो ना
बर्फ पे सिखाऊंगी प्यार तुझे
झीलों पे ऐसे उड़ेंगे साथ दोनों
इश्क पढ़ाऊंगी यार तुझे

हम्म... ठंडी सी रातें पेड़ों की खुशबू
जुगनू भी करते हैं बातें वहाँ
कहते हैं जन्नत की बस्ती है वहाँ पे
सारे फ़रिश्ते रहते हैं जहाँ
बादल भी रहते हैं ऐसे वहाँ पे
सच में वो नीले हो जैसे

उस नीले रंग से मुझे भी रंग दो ना
आसमान दिखाऊंगी यार तुझे
ऐसे उड़ेंगे मिलके साथ दोनों
जन्नतें घुमाऊंगी यार तुझे

ले तो चलूँ मैं तुझको वहाँ पे
लेकिन वहाँ पे सदी बड़ी है
कब मैं लगाऊंगा तुझको गले
खुदा की कसम मुझे जल्दी बड़ी है

ओढ़ूंगी ऐसे में तुझको पिया
सदी मुझको सताएगी कैसे
तुझको लगाऊंगी ऐसे गले
कोई गुम हो जाता है जैसे

किस बात की देर फिर तू लगाए हैं
खुद को अब रोकूँ में कैसे
उस नीले पानी का चौ साफ़ झरना है
उससे पिलाऊंगा प्यार तुझे

झीलें हैं नदियां ये बर्फों के टीले
लाके सब दे दूँ में यार तुझे
हम्म...

[पोस्ट देखने के लिए यहां क्लिक करें](#)